सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 102, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

राणा सांगा के अपमान पर लखनऊ में हंगामा काट दिया

इनसाइड निजी स्कूलों की लूट के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन... » Pg04

» Pg12

योगी कैबिनेट में 15 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी

34 हजार पीआरडी जवानों का बढ़ा भत्ता

अयोध्या में 300 बेड का अस्पताल, दिव्यांगों के लिए डे केयर स्कूल । हाथरस में खुलेगा मेडिकल कॉलेज

-प्रतीक चित्र

फोटो: सोशल मीडिया

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। लोकभवन में आज मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। इस दौरान अहम को प्रस्तावों को मंजूरी मिल गई है। बैठक में कुल 15 फैसलों पर मुहर लगी हे। योगी सरकार पीआरडी जवानों का भत्ता बढ़ाया दिया है। बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। अयोध्या डे केयर स्कूल बनेगा। वहीं हाथरस में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण को लेकर फैसला हुआ है। इसके साथ ही बैठक में उत्तर प्रदेश आवास विभाग के यूपी हाईटेक टाउनशिप नीति में संशोधन का प्रस्ताव और नगरीय उपयोग प्रभार शुल्क वसूलने के लिए तैयार की नियमावली को भी मंजूरी मिल गई है।

30 दिन की ड्यूटी पर 3150 रुपये की होगी वृद्धि

योगी सरकार ने प्रदेश में पीआरडी स्वयंसेवकों को सौगात देते हुए इनके ड्यूटी भत्ते में लगभग 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। अब इन्हें ड्यूटी भत्ते के तौर पर 500 रुपये दिए जाएंगे। इसका लाभ प्रदेश के 35 हजार पीआरडी जवानों को मिल सकेगा। सीएम योगी की अगुवाई में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित मंत्री परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई। इसके तहत पीआरडी जवानों का भत्ता 395 रुपये से बढ़ाकर अब इसे 500 रुपये कर दिया गया है। मौजूदा समय में प्रदेश में 34 हजार से अधिक पीआरडी जवान तैनात हैं और इस बढ़ी हुई राशि का लाभ इन सभी जवानों को मिल सकेगा। सरकार के इस कदम से प्रदेश के पीआरडी जवानों में खुशी लहर है।

मंत्री परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 15 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें 13 को स्वीकृति प्रदान की गई। इसी में प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) का ड्यूटी भत्ता बढ़ाने के निर्णय को भी मंजूरी मिली। उन्होंने बताया कि मंत्री परिषद ने पीआरडी जवानों के ड्यूटी भत्ते को 395 रुपये 500 रुपए किये जाने पर अपनी सहमति दी है।

ड्यूटी भत्ते में यह 105 रुपये की वृद्धि एक अप्रैल 2025 से लागू मानी जायेगी। उन्होंने बताया कि इस पर प्रदेश सरकार पर 75 करोड़ 87 लाख 50 हजार रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 34092 पीआरडी स्वयंसेवक हैं, जिन्हें इसका लाभ मिलेगा। प्रस्ताव के क्रियान्वयन के बाद पीआरडी स्वयंसेवकों की 30 दिन की उपस्थिति के आधार पर ड्यूटी भत्ते में 3150 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोत्तरी हो जाएगी।

अयोध्या में 300 बेड का चिकित्सालय के निर्माण के लिए पुराने सीतापुर आई हास्पिटल की भूमि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के नाम ट्रांसफर करने के संबंध में प्रस्ताव पास हुआ है। अयोध्या में एक नया अस्पताल बनेगा।

परिवहन विभाग के टैक्स ढांचे में होंगे कुछ बदलाव

परिवहन विभाग के कर ढांचे में बदलाव किए जाने के संबंध में नई अधिसूचना जारी की जाएगी. इसका मतलब है कि परिवहन विभाग के टैक्स सिस्टम में कुछ बदलाव होंगे।

- प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी जवान) के स्वयंसेवकों का भत्ता बढ़ाया गया।
- हाथरस में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए भूमि हस्तांतरण

नगरीय उपयोग प्रभार का निर्धारण और संग्रहण

उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास संशोधन नियमावली-2023 के तहत नियमावली-2025 जारी करने का प्रस्ताव पास हुआ है. इसका मतलब है कि शहरों में जमीन के इस्तेमाल के लिए लगने वाले शुल्क को तय करने और वसूलने के लिए नए नियम बनेंगे.

यूपी हैंडलूम, पावरलूम सिल्क टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पालिसी-2017

उत्तर प्रदेश हैंडलूम, पावरलूम सिल्क टेक्सटाइल एवं गारमेंटिंग पालिसी-2017 के तहत छूटी इकाइयों को अनुदान दिए जाने के संबंध में प्रस्ताव पारित हुआ है।

कार्यशील हाईटेक टाउनशिप परियोजनाएं

इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति-2005, 2014 और उप्र टाउनशिप नीति-2023 के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं और विकास प्राधिकरणों द्वारा स्वीकृत अथवा संचालित आवासीय परियोजनाओं में गृह कर, जल कर इत्यादि के संबंध में फैसले हुए हैं। इसका मतलब है कि हाईटेक टाउनशिप परियोजनाओं में गृह कर और जल कर जैसे करों से जुड़े कुछ फैसले लिए गए हैं। अयोध्या में मंदबुद्धि छात्रों के लिए 4000 वर्ग मीटर जमीन ब्रम्हकुंड अयोध्या में नजूल गाटा-संख्या-695 को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को उपलब्ध कराने के संबंध में फैसले हुए. सरकार दिव्यांग बच्चों के लिए कुछ करना चाहती है।

बाइक या कार खरीदने वालों को झटका, वन टाइम टैक्स में बढ़ोतरी

यूपी में नई बाइक या कार खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों को महंगाई का झटका लगा है। योगी सरकार ने दोपहिआ और चार पहिया वाहनों पर लगने वाले वन टाइम टैक्स को बढ़ा दिया है। टैक्स बढ़ाने के परिवहन विभाग के प्रस्ताव को मंगलवार को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। 10 लाख से कम कीमत वाली चार पहिया नॉन एसी गाड़ियों पर अभी तक 7 प्रतिशत टैक्स लगता था। अब 8 प्रतिशत लगेगा। इसी तरह 10 लाख से कम कीमत वाली एसी कार पर अब 8 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत टैक्स लगेगा। वहीं 10 लाख से ज्यादा कीमत वाली गाड़ियों पर अब 10 की बजाय 11 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

दोपहिया वाहनो में 40 हजार से कम कीमत वाले दो पहिया वाहन यह पर टैक्स पहले की तरह 7 प्रतिशत ही लगेगा। लेकिन 40 हजार रुपए से ज्यादा कीमत वाले वाहनों पर अब 8 प्रतिशत की जगह 9 फीसदी टैक्स लगेगा। सरकार को इलेक्ट्रिक वाहन पर कई रियायते देने के कारण 1000 करोड़ रुपए तक नुकसान हो रहा था। टैक्स बढ़ाने से 412 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। वहीं टैक्सी (चार पहिया) वाहनों पर परिवहन टैक्स में कमी की गई है।

स्वस्थ मन से शरीर को पोषण मिलता है

» विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पीडब्ल्यूए की गोष्ठी में रखे विचार, स्वस्थ इंसान ही विकास की रीड

» तनाव और अवसाद शरीर को प्रभावित करता है, मानसिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान कारगर उपाय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। यदि आपका मन शांत नहीं हैं, विचारों में द्विद है तो आपका शरीर निश्चित ही प्रभावित होगा। इसलिए मन और विचारों को संतुलित रखने के लिए ध्यान का प्रयास करना चाहिए जिससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सके। यह बातें पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) के विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में विद्वानों ने रखे। सोमवार को कल्याणपुर स्थित पीडब्ल्यूए मुख्यालय पर स्वास्थ्य रक्षा के लिए चिकित्सकों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। पूर्व वरिष्ठ राजकीय चिकित्साधिकारी डॉ एमडी शाक्य ने कहा कि विचारों की उथल पुथल और मन की अस्थिरता व्यक्ति के शारीरिक व्यवस्था को प्रभावित करती है, रक्त संचार, नींद, पाचन तंत्र,खराब होता है वहीं त्वचा ओजहीन होती है। भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी अजय सिंह ने कहा कि योग और ध्यान से शारीर के तंत्रिका तंत्र को सुव्यवस्थित रखा जा सकता है। प्रोफ़ेसर नरेंद्र कुमार ने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए शारीरिक श्रम जरूरी है।

ट्रेजरार विपिन पटेल ने कहा कि तनाव मुक्ति स्वस्थ शरीर का आधार है। अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने कहा कि जब तक हम खुद अपने आसपास स्वस्थ समाज की मुहिम नहीं चलाएंगे यह समाज में प्रभावशाली नहीं हो सकता है। पीडब्ल्यूए महासचिव पंकज कुमार सिंह के कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता के लिए पीडब्ल्यूए की ओर लगातार कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।स्वास्थ्य सेवा के विस्तार के लिए योजनाएं तय की जा रहीं हैं। इस दौरान, डॉ हीरेन्द्र सिंह, मंजेश पटेल, विशेष पटेल, अनामिका भदौरिया, अमित यादव, अंजनी तिवारी, सौरभ मिश्रा आदि प्रमुख तौर पर उपस्थित रहे।

संस्कारशाला में बच्चों को दिए गए कई टिप्स पीडब्ल्यूए उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य शैलेन्द्र कुमार सचान की अगवाई में चलने वाली संस्कारशाला में बच्चों को विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर स्वस्थ जीवन में तनाव मुक्ति के टिप्स बताए गए। इस दौरान संस्कारशाला में बच्चों को जच्चा – बच्चा की सेहत के लिए भोजन और टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी गई। बौद्धिक प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी प्रत्यूष कुमार सिंह को भूदेव द्वारा पौधा भेंट कर कर उत्साहवर्धन किया गया।बौद्धिक प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी प्रत्यूष कुमार सिंह को श्री भूदेव जी द्वारा पौधा भेंटकर कर उत्साहवर्धन किया गया।

बिल्हौर: शारदा संगोष्ठी के तहत मनाया गया वार्षिकोत्सव

» बच्चों को परीक्षाफल, पुस्तक एवं पुरस्कार वितरित किया गया

» विद्याज्ञान परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रा शिवानी को गिफ्ट में दी गई साइकिल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय झपटबाजपुरवा में सोमवार को शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन खण्ड शिक्षा अधिकारी बिल्हौर रवि कुमार सिंह व स्कूल के प्रधानाचार्य अनुपम कुमार के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रजवलित कर हुई। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इसके बाद बच्चों को परीक्षाफल वितरित किये गए। साथ ही नया सत्र शुरू होने के चलते पुस्तकें एवं पुरस्कार भी वितरित किए गए। कक्षा 5 उत्तीर्ण तथा विद्याज्ञान परीक्षा में भी उत्तीर्ण छात्रा शिवानी को गिफ्ट में साइकिल दी गई। इस दौरान बीआरसी से शशांक द्विवेदी, पंकज कटियार, धर्मेंद्र कटियार और ताहिर आदि मौजूद रहे।

काकादेव के न्यूरॉन हॉस्पिटल में मृत मरीज का इलाज करते रहे डॉक्टर

» पीडित ने डीएम सहित स्थानीय पुलिस को शिकायती पत्र देकर लगाए गंभीर आरोप

» मरने के बाद भी यह थमाया 32 हजार का बिल, 5 हजार लेकर छोड़ने का आरोप

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के अधिकतर प्राइवेट अस्पताल नोट छापने की मशीन बन कर रह गए हैं। मृत मरीजों के इलाज और धन उगाही के तमाम मामले आते रहते हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संरक्षण चलते ऐसे स्वास्थ्य माफियाओं पर कार्रवाई नहीं हो पाती है। ताजा मामला काकादेव डबल पुलिया स्थित न्यूरॉन सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल का सामने आया है। यहां पर भर्ती मरीज की मौत होने के बाद भी इलाज करने का आरोप लगा है। प्रकरण की शिकायत पुलिस सहित अन्य जगह की गई है।

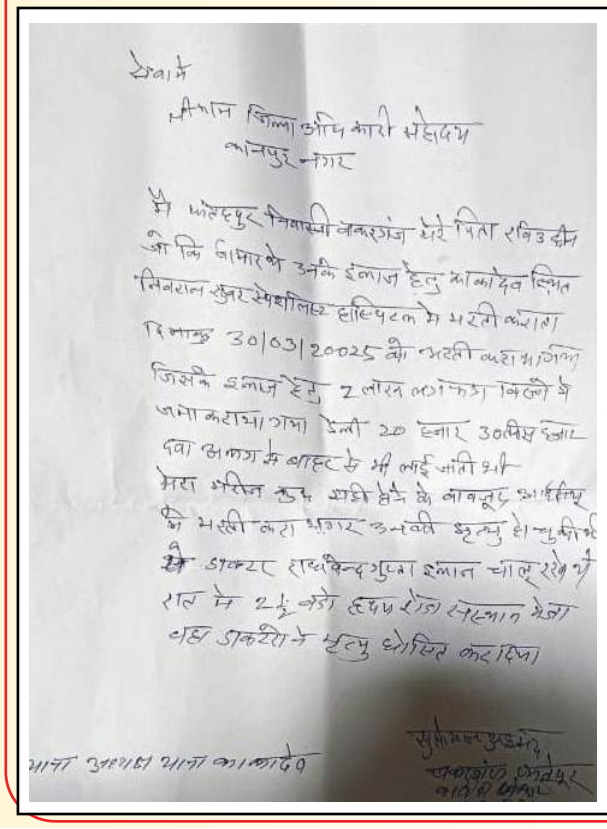

फतेहपुर जनपद के बाकरगंज निवासी सुलेमान अहमद ने काकादेव पुलिस को दिए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि उसके पिता रविउददीन बीमार चल रहे थे। इसपर काकादेव स्थित न्यूरॉन स्पेशियलिटी अस्पताल में 30 मार्च 2025 को भर्ती करवाया था, इस दौरान 2 लाख रूपए कई किस्तों में जमा करवाए गए। इसके बाद रोज 20 से 30 हजार रूपए की दवा भी बाहर से मंगवाई जा रही थी। मेरे पिता कुछ ठीक होने के बाद भी उन्हे गंभीर बताकर आईसीयू में डाल दिया गया। उस दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी, इसके बाद भी डॉक्टर उसका उपचार करते रहे। उनके मरीज को डा. राघवेंद्र गुप्ता के द्वारा मृत होने के बाद भी देखा जा रहा था, जब कुछ आशंका होने पर आपत्ति की तो आनन फानन में हदय रोग संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया, वहां पर मौत होने की पुष्टि हुई। वहीं, आरोप हैं कि रेफर के समय भी 32 हजार से अधिक का बिल थमा दिया गया लेकिन किसी तरह से 5 हजार रूपए देने पर मरीज को निकलने दिया गया। इस तरह से अस्पताल में पैसे कमाने के चलते मरीज पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। मामले में कार्रवाई की मांग की गई।

इस दौरान अस्पताल के प्रबंधन से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

अखिलेश यादव से कानपुर के सपा के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। लखनऊ में सोमवार को कानपुर से सपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। अखिलेश यादव द्वारा वक्फ बोर्ड का खुला समर्थन करने पर प्रतिनिधिमंडल ने उनका शुक्रिया अदा किया। अखिलेश बोलें कि भाजपा हिंदू-मुस्लिम बीच बने हुए भाईचारे पर दरार डालने का प्रयास कर रही है। भाजपा के यह मंसूबे कामयाब नहीं होने दिए जाएंगे। वह वक्फ बिल के विरोध में मुस्लिम भाइयों के साथ हैं। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में वक्फ बोर्ड का विधेयक पास करने पर संसद में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उसका विरोध कर मुसलमानों का खुला समर्थन किया है, इससे उत्साहित होकर कानपुर से सपा का एक प्रतिनिधि मंडल अखिलेश यादव से मिला। उन्होंने कहा कि पूरे देश में सिर्फ अखिलेश यादव ही एक ऐसे नेता है, जिन्होंने सभी का खुला समर्थन किया, उनकी बातों व मांगों को सत्ता पक्ष पर हमलावर होकर मुसलमान का इस देश व प्रदेश में सम्मान बढ़ाया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार देश व प्रदेश में जाति-पात व धर्म के नाम पर समाज को दो भागों में बांटकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक कर सत्ता का सुख भोग रही है।प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, हाजी अबरार अहमद, शादाब आलम, हाजी शबाब अबरार, मौलाना जरारिया, हाजी नदीम खान रहे।

निजी स्कूलों की लूट के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियो ने कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय में की शिकायत

संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के प्राइवेट स्कूलों में फीस के नाम पर की जा रही मनमानी तथा कॉपी किताबें में हो रही लूट का विरोध करते हुए मंगलवार को कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियो ने कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया और मांगों का ज्ञापन दिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद सिंह ने कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी को आश्वासन दिया है कि वह इस मामले में गंभीर हैं और उन स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करेंगे जो अभिभावकों वह बच्चों का उत्पीड़न कर रहे हैं। कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि शहर के सभी नामी गिरामी स्कूलों में अब यह व्यवस्था लागू हो गई है कि स्कूल प्रबंधन ही तय करता है कि उसके स्कूल की कॉपी किताबें किन दुकानों पर मिलेंगी और कहां पर छपेंगी।जो किताबें 50 से 60 रुपए में मिलनी चाहिए वह ?400 में मिल रही हैं।

किताबों के महंगे होने के साथ ही स्कूल प्रबंधन द्वारा हर वर्ष 20 से 25 परसेंट की फीस वृद्धि की जाती है और खुले आम अभिभावकों की जेब में डाका डाला जाता है।

पवन गुप्ता ने कहा कि जिलाधिकारी कानपुर नगर इस मामले को लेकर काफी गंभीर हैं और उन्होंने बीते दिनों बैठकर भी की हैं।

परंतु इन बैठकों व चेतावनियों का स्कूल प्रबंधन के ऊपर कोई भी असर नहीं है। सभी स्कूल प्रबंधन अपने मनमाने रवैया के चलते बढ़ी हुई फीस ले रहे हैं।

और काफी किताबें की खरीदारी करवा रहे हैं।फिलहाल कांग्रेसियों ने साफ शब्दों में कहा है कि अगर जिला प्रशासन ने इन स्कूलों के खिलाफ

कोई कार्रवाई नहीं की तो वह लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के साथ ही धरना प्रदर्शन करेंगें।

सेंट्रल स्टेशन के खानपान काउंटरों में 'जैसा यात्री वैसा पैसा'

- यात्रियों से मनमाने दाम वसूल रहे कई वेंडर, खाने वाली
- वस्तुओं में ना एमआरपी है ना इनका कोई फिक्स रेट
- प्लेटफॉर्म पर खुलेआम बिकता है इस तरह का खाना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर खानपान व्यवस्था में लगातार भारी अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बिना प्राइस लिस्ट और बिना स्टॉल के नाम वाले खाने के पैकेट खुलेआम बेचे जा रहे हैं, जिससे यात्रियों को न सिर्फ असुविधा हो रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का भी सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार दोपहर लगभग 1 बजे एक ट्रेन के आगमन से पहले वेंडर प्लेटफॉर्म पर पहुँच गए और ट्रेन के रुकते ही यात्रियों को खाने के पैकेट बेचने लगे। दिलचस्प बात यह रही कि एक ही तरह के पैकेट किसी को 70 रुपए में तो किसी को 60 रुपए में बेचे गए – यानी ‘जैसा यात्री, वैसा पैसा’ की तर्ज पर वसूली की जा रही थी।जब वेंडरों से प्राइस लिस्ट या स्टॉल के नाम के बारे में पूछा गया, तो जवाब मिला कि ‘पैकेट पर प्राइस या स्टीकर लगाने का समय नहीं होता।’ पूछताछ पर एक वेंडर ने स्टॉल संचालक का नाम ‘गौरव’ बताया और दावा किया कि ये आरके फूड्स से संबंधित है। लेकिन जब संबंधित स्टॉल पर जाकर देखा गया तो वहाँ भी बिना नाम और कीमत के पैकेट रखे हुए थे।यही नहीं, स्टॉल पर बिना अनुमति के आलू पैटीज जैसे उत्पाद भी खुलेआम बेचे जा रहे हैं। जब काउंटर पर मौजूद कर्मियों से जानकारी मांगी गई तो टाल-मटोल करने लगे और भ्रमित करने वाली जानकारी दी। एक कर्मी ने कैमरे के सामने वही पैकेट जिसकी कीमत पहले 70 बताई थी, अब 40 रुपए बताई।

यह सब दर्शाता है कि खानपान अधिकारी की ओर से स्पष्ट निगरानी नहीं की जा रही है, जिससे अवैध वेंडरों को बढ़ावा मिल रहा है। यात्रियों के साथ न सिर्फ आर्थिक शोषण हो रहा है, बल्कि उन्हें घटिया और अस्वास्थ्यकर भोजन खाने के लिए मजबूर किया जा रहा है।मांग की जा रही है कि रेलवे प्रशासन और संबंधित खानपान अधिकारी अविलंब इस मुद्दे पर कार्रवाई करें और यात्रियों के अधिकारों की रक्षा करें। स्टेशनों पर पारदर्शी व्यवस्था लागू कर प्राइस लिस्ट और स्टॉल जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि यात्रियों को उचित मूल्य पर स्वच्छ भोजन मिल सके।

हम लगातार कार्रवाई और निरीक्षण करते हैं: सीटीएम

कानपुर सेंट्रल स्टेशन के सीटीएम आशुतोष कुमार सिंह ने स्वराज इंडिया से कहा कि खानपान को लेकर लगातार निरीक्षण और कार्रवाई होती हैं। इसके बावजूद अगर कोई वेंडर ऐसी हरकतें कर रहा है उस पर भी कार्रवाई की जाएगी सेंट्रल स्टेशन पर हम लोग लगातार व्यवस्था को सुधारने में लगे हुए हैं।

सम्पादकीय

जवाबी कार्रवाई से व्यापार युद्ध की आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ हमले और चीन की जवाबी कार्रवाई से विश्व के तमाम शेयर बाजार लहूलुहान हुए हैं। कई अन्य देशों की भी जवाबी कार्रवाई के फैसले से दीर्घकालीन व्यापार युद्ध की आशंका बलवती हो गई है। जिससे पूरी दुनिया में मंदी आने की चेतावनी दी जा रही है। निश्चित तौर पर इससे आर्थिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस संशय और अनिश्चितता के चलते शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली से दुनिया के तमाम शेयर बाजार धराशायी हुए हैं। निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। आने वाले समय में टैरिफ वॉर के और बढ़ने की आशंका है क्योंकि चीन ने नौ अप्रैल को होने वाली विश्व व्यापार संगठन की बैठक में 'नई व्यापार चिंता' के रूप में अमेरिका की टैरिफ नीति का मुखर विरोध करने का फैसला किया है। चीन का मानना है कि अमेरिका के एकतरफा संरक्षणवाद का दुनिया के देशों को विरोध करना चाहिए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली की सुरक्षा के लिये एक व्यापक गठबंधन बनाने की जरूरत बतायी है। इन हालात में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय दबाव के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ थोपने के फैसले को वापस लेंगे? या फिर पहले की तरह टैरिफ लगाने की धौंस देते रहेंगे। वैसे इस बात की संभावना कम ही है कि जिद्दी ट्रंप अपने बढ़े कदमों को पीछे खींचेंगे। यहां सवाल यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने वाले देश पलटवार करने में कितने सक्षम हैं। वहीं भारत ने दीर्घकालीन व व्यापक हितों को देखते हुए टकराव टालने का प्रयास किया है और बातचीत का रास्ता चुना है। लेकिन इस अनिश्चितता के दौर में निवेशकों में बढ़ती असुरक्षा ने भारत सरकार पर नीतिगत फैसले लेने के लिये दबाव बनाया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी संभावना है कि चीन व प्रतिकार करने वाले अन्य देशों के दबाव के कारण ट्रंप अपनी आक्रामक रणनीति को लंबे समय तक जारी नहीं रख पाएंगे। विडंबना यह है कि अमेरिका राष्ट्रपति के इन कदमों से खुद अमेरिका के लिये भी बड़ी आर्थिक चुनौती पैदा हो सकती है। येल विश्वविद्यालय में बजट लैब के एक विश्लेषण के अनुसार ट्रंप सरकार के प्रतिशोधात्मक टैरिफ से औसत अमेरिकी परिवार को सालाना चार हजार दो सौ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है। इतना ही नहीं अमेरिका में मंदी और तेज मुद्रास्फीति का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं भारत जैसे अन्य विकासशील व विकसित देशों को आशा है कि वैश्विक व घरेलू दबाव ट्रंप को उनकी भूल का अहसास कराएगा। जिससे वे अधिक आर्थिक अराजकता पैदा करने वाले फैसलों से पीछे हटेंगे। वैसे एक हकीकत यह भी है कि अमेरिका अपने कई उत्पादों के लिये अन्य देशों पर निर्भर है। उसके उद्यमियों ने भी दूसरे देशों में औद्योगिक यूनिट लगा रखे हैं। ऐसे में उन देशों पर टैरिफ लगाने से अमेरिकी जनता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं के दाम भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेंगे। यही वजह है कि अमेरिका के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। जिसका असर पूरी दुनिया पर भी दिख रहा है और स्थितियां कोरोना काल के संकट जैसी बन गई हैं। वैसे आज भी दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक स्थिति पर लौटने के लिये संघर्षरत हैं। कमोबेश ये स्थितियां बड़े आर्थिक संकट की आहट दे रही हैं। जिसकी वजह है कि अमेरिका समेत अन्य देशों में निवेश बाधित होने, उत्पादन में गिरावट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से वैश्विक स्तर पर महंगाई उत्पन्न होने की चिंताएं बढ़ रही हैं।

श्रीलंका के बरास्ते तमिलनाडु में मोदी व्यूह!

पुष्परंजन

श्रीलंका की घरेलू राजनीति से भारत का तमिलनाडु सीधा प्रभावित नहीं होता, तो सहयोग का स्वरूप कुछ और होता। श्रीलंका की यात्रा के तुरंत बाद, रविवार को पीएम मोदी का रामेश्वरम पहुंचना, पंबन वर्टिकल रेल पुल का उद्घाटन, आखिर क्या सन्देश देता है?

भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग विन्ची कोड की तरह हो चुका है। 'दा विंची कोड' डैन ब्राउन द्वारा 2003 में लिखा गया रहस्यपूर्ण थ्रिलर उपन्यास है। जिसमें इतिहास के चौंकाने वाले रहस्य उजागर होते हैं, जिन पर सुनियोजित ढंग से पर्दा डाला गया था। पेरिस के लूव्र म्यूज़ियम के क्यूरेटर को रहस्य मालूम था। उसकी हत्या हो जाती है। वह मरते समय लियोनार्दो द विन्ची के एक चित्र की आकृति बनाते हुए, फिबोनाकी सीरीज के नम्बरों के साथ, संकेत के रूप में छोड़ जाता है।' पूरी कहानी उस विन्ची कोड को 'डिकोड' करने में निकल जाती है। पीएम मोदी कुछ ऐसा ही विन्ची कोड कोलम्बो छोड़ आये हैं, जिसे 'डिकोड' करने में वहां का विपक्ष लग गया है। भारत से किस तरह का रक्षा सहयोग हुआ है? न विपक्ष को पता है, न वहां की मीडिया को।

भारत-श्रीलंका के बीच अच्छे, और बुरे दोनों तरह के सम्बन्ध रहे हैं। राजीव गांधी के कालखंड में उभयपक्षीय संबंधों का भूस्खलन लोग भूल नहीं पाते। नई दिल्ली ने पिछले साल के राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों से काफी पहले सही तरीके से अंदाजा लगा लिया था, कि राजनीतिक हवाएं किस दिशा में बह रही हैं। पीएम मोदी ने जल्द ही राष्ट्रपति बनने वाले अनुरा कुमार दिसानायके को भारत आने का निमंत्रण दिया, जहां उनका शानदार स्वागत हुआ। राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ सप्ताह बाद दिसानायके ने भारत की राजकीय यात्रा की, बाद में वो चीन भी गए।श्रीलंका, निस्संदेह हिंद महासागर में भारत और चीन के बीच शक्ति प्रतिद्वंद्विता से लाभान्वित हो रहा है, जहां भारत अपनी पड़ोसी प्रथम नीति के माध्यम से लाभ चाहता है, जबकि चीन अपनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के माध्यम से लाभ उठाना चाहता है। नए श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा करने के बाद, चीन की यात्रा करने का विकल्प चुनकर शक्ति संतुलन का प्रयास किया था। जनवरी, 2025 में दिसानायके ने चीन की राजकीय यात्रा की, जिस दौरान दोनों पक्षों ने चीन-श्रीलंका रणनीतिक सहकारी साझेदारी को गहरा करने और साझा करने का संकल्प किया था। श्रीलंका का अख़बार 'द आइलैंड' ने अपने सम्पादकीय में लिखा- 'उपहार के घोड़ों के मुंह पर हाथ धरे बैठे बिना, हमें हमेशा सचेत रहना चाहिए, कि मुफ़्त भोजन जैसी कोई चीज़ नहीं होती है। हमें अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए।'

एक बात है, श्रीलंका की घरेलू राजनीति से भारत का तमिलनाडु सीधा प्रभावित नहीं होता, तो सहयोग का स्वरूप कुछ और होता। श्रीलंका की यात्रा के तुरंत बाद, रविवार को पीएम मोदी का रामेश्वरम पहुंचना, पंबन वर्टिकल रेल पुल का उद्घाटन, आखिर क्या सन्देश देता है? श्रीलंका के बरास्ते पीएम मोदी तमिलनाडु में व्यूह रच रहे हैं, इतनी बात तो किसी राजनीतिक विश्लेषक की समझ में आ जानी चाहिए। श्रीलंका में महो-अनुराधापुरा रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम और नव उन्नत महो-ओमानथाई रेलवे लाइन का उद्घाटन, ऊर्जा, डिजिटलीकरण, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ भारत की ऋण पुनर्गठन सहायता से संबंधित समझौते, सामपुर सौर ऊर्जा संयंत्र, दांबुला में 5,000 मीट्रिक टन तापमान और आर्द्रता नियंत्रित कोल्ड स्टोरेज सुविधा, और 5,000 धार्मिक स्थलों पर सौर पैनलों की स्थापना, त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने, श्रीलंका में बिजली, पेट्रोलियम में कनेक्टिविटी स्थापित करने, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में सहयोग, ये सब उस व्यूह रचना का हिस्सा है, जो श्रीलंका से तमिलनाडु तक डैमेज कंट्रोल की तरह है। प्रधानमंत्री मोदी अपने साथ कई उपहार भी लेते गए, जिनमें युद्धग्रस्त उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई रुपये के पैकेज के रूप में है। शायद, यही सहयोग भाव तमिलनाडु की राजनीतिक तपोभूमि में बीजेपी का मार्ग प्रशस्त करेगा।श्रीलंका 2022 में भारत द्वारा प्रदान की गई भारी सहायता को नहीं भूल सकता।

वैश्विक उथल-पुथल में भारत के लिए संभावनाएं

अमेरिकी टैरिफ की चुनौती

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ट्रंप के नये टैरिफ की मार का असर विश्व के सभी देशों पर है, भारत भी अछूता नहीं। लेकिन इस चुनौती से मुकाबले में भारत की स्थिति अन्य देशों से बेहतर नजर आती है।

अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते, विभिन्न देशों संग एफटीए और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरदार आर्थिक रणनीति साबित हो सकते हैं।हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ की चिंताओं के कारण 7 अप्रैल का दिन दुनियाभर के शेयर बाजारों के साथ-साथ भारत के लिए भी ब्लैक मंडे के रूप में दिखाई दिया। सेंसेक्स में एक ही दिन में निवेशकों के 19.4 लाख करोड़ रुपए स्वाह हो गए।

न केवल दुनिया के शेयर बाजार ढहते दिख रहे हैं, वरन चीन, कनाड़ा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ सहित कई देशों द्वारा अमेरिका पर लगाए गए जवाबी टैरिफ के कारण वैश्विक ट्रेड वॉर शुरू हो गयी है। इस बीच संभावना उभरी है कि निकट भविष्य में भारत अपनी अमेरिका के अनुकूल व्यापार नीति से ट्रंप की टैरिफ आपदा के बीच निर्यात और वैश्विक व्यापार के नए समीकरणों से नए मौके हासिल कर सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था तथा शेयर बाजार भी लाभान्वित हो सकते हैं।गौरतलब है कि ट्रंप द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है वहीं चीन पर 54 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 फीसदी, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत तथा थाइलैंड पर 36 फीसदी सुनिश्चित किया है। वित्तवर्ष 2023-24 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फ़ीसदी रही, जो लगभग 77.5 अरब

डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटो पार्ट्स, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स व कृषि उत्पाद शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटकी है। एसबीआई की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक चालू वित्तवर्ष 2025-26 में भारतीय उत्पादों का अमेरिका को निर्यात करीब 85 हजार करोड़ रुपए तक घट सकता है और टैरिफ से भारत के जीडीपी के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। इस सबके बावजूद ट्रंप के टैरिफ की मार के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। जहां अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ दूसरे कई प्रतिस्पर्धी देशों से कम होने से अमेरिका सहित दुनिया में देश के निर्यात बढ़ने की संभावना है। उससे भारत के लिए अमेरिका समेत कई देशों में निर्यात-कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खासकर चीन व वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल निर्यात बाजार में भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से वहां भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। इसके पूर्व बिम्सटेक सम्मेलन के दौरान इस संगठन के देशों के साथ व्यापार बढ़ाने पर भी चर्चा की। बीते मार्च माह के अंत में नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार प्रतिनिधियों ने दोनों देशों के बीच 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने के प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा और शर्तों को लेकर वार्ता की। देश कई छोटे-बड़े देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वहीं टैरिफ जंग में भारत के लिए घरेलू मांग, घरेलू आर्थिक घटक, नए व्यापार समझौते, रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन व खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात कारगर हथियार हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक टैरिफ चुनौतियों के बीच भी चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी जो अर्थव्यवस्था के मजबूत व स्थिर विस्तार का संकेत है।

इंस्टेंट निखार आएगा लगाएं दो फेस मास्क

ब्यूटी टिप्स

नीलम सिंह

सुहागिन महिलाओं का सबसे बड़ त्योहार करवाचौथ बस कुछ ही दिनों में आने वाला है। इस दिन को खास बनाने की तैयारियां महिलाएं कई दिन पहले से ही शुरू कर देती हैं। ऐसे में अगर आप ऑफिस और घर दोनों को मैनेज करने के चक्कर में पार्लर के लिए समय नहीं निकाल पा रही हैं तो ये 2 फेस मास्क आपकी मुश्किल को आसान बना सकते हैं। चेहरे पर ये दो फेस मास्क लगाने से सन टैन से निजात के साथ चेहरे का खोया निखार भी वापस पाया जा सकता है। ये फेस मास्क चेहरे पर लगने के बाद जितनी जल्दी असर दिखाते हैं, इन्हें बनाना उससे भी ज्यादा आसान है। तो अगर आप भी घर बैठे अपनी मुरझाई हुई त्वचा को एक नई चमक देना चाहते हैं तो ट्राई करें ये फेस मास्क।

बेसन और दही का फेस मास्क

त्वचा की रंगत निखारने से लेकर उसकी खोई चमक वापस लौटाने तक के लिए बेसन बेहद असरदार माना जाता है। जबकि दही में मौजूद कई पौष्टिक गुण त्वचा की सेहत को अच्छा बनाए रखने के साथ उसकी चमक भी बढ़ाने का काम करते हैं। बेसन और दही का फेस मास्क बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में बेसन और दही को 2-1 के अनुपात में मिलाएं। दोनों चीजों को अच्छी तरह मिला लें ताकि इनमें कोई गांठ न रह जाए। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर समान रूप से लगाकर 15-20 मिनट के लिए सूखने दें। इसके बाद चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धो लें।

केले का फेस मास्क

अगर आपकी त्वचा रूखी और बेजान है तो केले का यह फेस मास्क आपकी त्वचा पर जादू जैसा असर कर सकता है। केले में मौजूद पौष्टिक गुण आपको ड्राई स्किन की समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकते हैं। केले का फेस मास्क बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में एक पके केले को मैश कर लें। इसके बाद केले में एक बड़ा चम्मच शहद डालकर दोनों चीजों को अच्छी तरह मिलाएं। अब इस तैयार केले के मास्क को चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर सूखने दें। 20 मिनट बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धोकर मॉइस्चराइजर लगा लें।

लो ब्लड प्रेशर के लिए डायट में शुरू करिए ये मसाले...!

आजमाइए.... काफी राहत मिलेगी

घरेलु नुस्खे

डॉ. पंचशील शर्मा

हर व्यक्ति को ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर अपने सेहत का खास ख्याल रखना होता है। बता दें कि ब्लड प्रेशर को ब्लड द्वारा आर्टरीज की वॉल पर दबाव डालने वाले फोर्स के तौर पर जाना जाता है। जब भी आपका दिल धड़कता है, तो यह आपकी आर्टरीज में ब्लड पंप करता है। सामान्य ब्लड प्रेशर 120/80 मिमी एचजी होता है। वहीं जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या होती है, वह लोग काफी चिंतित होते हैं। वहीं लो ब्लड प्रेशर भी काफी खतरनाक है। जब ब्लड प्रेशर लो होता है, तो यह हार्ट से लेकर शरीर के अन्य कई अंगों तक सही तरीके से ब्लड फ्लो नहीं हो पाता है।

कम रक्तचाप की समस्या को हाइपोटेंशन भी कहा जाता है। जब सिस्टोलिक के लिए 90 मिलीमीटर पारा और डायस्टोलिक के लिए 60 मिमी एचजी से कम होता है, तो इसको लो ब्लड प्रेशर माना जाता है। लो ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर स्ट्रोक, दिल का दौरा और किडनी खराब होने का खतरा बढ़ सकता है। वहीं हाई ब्लड प्रेशर और लो ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यदि आप कुछ मसालों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो इससे आपको काफी राहत मिल सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे मसालों के बारे में बताने जा रहें हैं, जो लो ब्लड प्रेशर की शिकायत होने पर आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

दालचीनी

जिन लोगों को लो ब्लड प्रेशर की शिकायत रहती है, उनको दालचीनी का सेवन जरूर करना चाहिए। आप पाउडर या स्टिक का सेवन कर सकते हैं। यह सिस्टोलिक और डायस्टोलिक रक्तचाप दोनों को कंट्रोल करने में प्रभावी होता है। दालचीनी में मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं। यह दोनों ही ब्लड प्रेशर पर सोडियम के प्रभाव का मुकाबला करने में सहायता करते हैं। वह यह असामान्य हृदय गति कंट्रोल करने में मदद करता है। ऐसे में आप रोजाना दूध या शहद के साथ मिलाकर दालचीनी का सेवन कर सकते हैं।

तुलसी

लो ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर तुलसी के पत्ते आपको काफी फायदा पहुंचा सकते हैं। तुलसी में मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह हाइपोटेंशन के इलाज में भी मददगार हैं। तुलसी ब्लडप्रेशर की रीडिंग को बनाए रखने में सहायता करता है। तुलसी की पत्तियों में भरपूर मात्रा में विटामिन सी और यूजेनॉल नामक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो ब्लड प्रेशर को मैनेज करने के साथ ही ब्लड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करने का काम करता है। ऐसे में आप रोजाना सुबह खाली पेट 5-6 पत्तियों का रोजाना सेवन कर सकते हैं।

अदरक

लो ब्लड प्रेशर की शिकायत होने पर आप अदरक का भी सेवन कर सकते हैं। इसका सेवन काफी लाभदायक होता है। यह आपके ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के साथ ही ब्लड प्रेशर को बढ़ाने में भी मददगार होता है। अदरक में जिंजरोन और जिंजरोल जैसे कंपाउंड पाए जाते हैं, जो ब्लड वेसल्स को आराम देने के अलावा ब्ल फ्लो को भी इंप्रूव करता है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुए पाए जाते हैं। यह इंफ्लेमेशन को कम करके हार्ट हेल्थ को इंप्रूव करने का काम करता है। आप चाहें तो अदरक की चाय बनाकर पी सकते हैं, या फिर खाने में ताजे अदरक का सेवन कर सकते हैं।

काली मिर्च

काली मिर्च का सेवन भी लो बल्ड प्रेशर के मरीजों के लिए लाभकारी माना जाता है। इसमें एक्टिव कंपाउंड पिपेरिन पाया जाता है, जो ब्लड सर्कुलेशन को इंप्रूव करता है। यह अन्य पोषक तत्वों और मसालों के अवशोषण को बढ़ाने के साथ ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करती है। आप सलाद, सूप या अन्य डिशेज में काली मिर्च पाउडर का स्प्रिंकल कर सकते हैं।

नोटः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह भी जरूर लें।

सिल्की और शाइनी बालों के लिए अपनाएं ये नुस्खे

हेयर केयर टिप्स

हम सभी त्योहारों पर अच्छा दिखना पसंद करते हैं। खूबसूरत दिखने के लिए अक्सर हम कुछ ऐसी चीजें ट्राई करते हैं, जिससे हमारा लुक अच्छा लगे और सबकी नजरें हम पर ही टिकी रहें। इसके लिए हम अक्सर अलग-अलग डिजाइन के कपड़े खरीदते हैं, कपड़ों को वियर करने का स्टाइल चेंज करते हैं। लेकिन कई बार हम बालों को ऐसे ही छोड़ देते हैं। ऐसे में आपको अपने बालों के लिए रूटीन बदलने की भी जरूरत होती है।

क्योंकि बदलते मौसम और प्रदूषण की वजह से बाल सबसे ज्यादा डैमेज होता है। बदलते मौसम और प्रदूषण की वजह से बाल ड्राई और दोमुंहे हो जाते हैं। ऐसे में सिल्की और शाइनी बालों के लिए आपको सही रूटीन फॉलो करने की जरूरत है। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिससे आपके बाल सिल्की और हेल्दी नजर आएंगे।

बालों को पोषण की बहुत जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप पार्लर में महंगे ट्रीटमेंट करवाने की बजाय सप्ताह में एक बार बालों में अच्छे से ऑयलिंग करें। इसके लिए एक कटोरी में नारियल तेल, जैतून का तेल या फिर थोड़ी मात्रा में बादाम का तेल लेना है। अब इसको हल्का गुनगुना कर नहाने से करीब 30 मिनट पहले बालों की अच्छे से मसाज करें। फिर अपने बालों को वॉश कर लें। इससे आपको बालों में नेचुरली शाइन आएगी।

बालों को सिल्की और शाइनी बनाने के लिए आप घर पर बने सीरम का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इसके लिए आप नारियल तेल और एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसको बालों में अप्लाई करने से आपके बाल नेचुरली शाइनी होंगे। साथ ही यह घरेलू नुस्खा आपके बालों को भी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

बता दें कि मार्केट में कई केमिकल वाले शैंपू मिल जाते हैं। जिससे हमारे बालों को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में आप अपने बालों को हेल्दी रखने के लिए हर्बल शैंपू का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको 1 चम्मच रीठा पाउडर, 1 चम्मच आंवला पाउडर, 1 चम्मच शिकाकाई पाउडर लेना है। फिर इन सारी चीजों को पानी में अच्छे से पका लें। इसके बाद इस पानी से बालों को धोएं।

इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार हो जाएंगे। इन घरेलू नुस्खों को ट्राई करने से फेस्टिवल आते-आते आपके बाल सिल्की और शाइनी हो जाएंगे। फिर आपको पार्लर जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेने की भी जरूरत नहीं होगी।

गौ भक्त राष्ट्रीय कथा व्यास रघुवर जी महाराज समाज को दिखा रहे हैं नई दिशा

सिकंदरा थाना प्रभारी महेश कुमार ने कहा रघुवर दास समाज में जगा रहे नई अलख

» 7 वर्ष की अवस्था में छोड़ ग्रस्त जीवन अपनाया समाज को नई दिशा देने वाला रास्ता

» स्वराज इंडिया अखबार की टीम को रघुवर जी महाराज ने धन्यवाद प्रेषित किया

» कानपुर देहात पर चर्चित में गौ भक्त राष्ट्रीय कथा व्यास रघुवर जी महाराज

स्वराज इंडिया/सचिन सिंह चौहान

माती। गौ भक्त राष्ट्रीय कथा व्यास रघुवर जी महाराज की कथा का रसपान करने पहुंचे सिकंदरा थाना प्रभारी महेश कुमार ने कहा कि बाल व्यास गौ भक्त राष्ट्रीय भागवत प्रवक्ता रघुवर जी महाराज की कथा की चर्चा हमने कानपुर देहात में बहुत सुनी है और अपनी बाल्य काल में ही गृहस्ती जीवन को त्याग कर , एक समाज को नई दिशा देने के लिए रघुवर जी महाराज के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का शिक्षा श्री वृंदावन धाम में पूरा किया और क्षेत्र में भक्ति मय श्रीमद् भागवत कथा का लगातार कानपुर देहात में रसपान करा रहे हैं ,

खास ख़बर

जहां पर लोग दूर-दूर से बाल व्यास रघुवर जी महाराज की कथा को सुनने के लिए आते हैं जैसे ही हमें पता चला कि हमारे ही थाना क्षेत्र में श्री रघुवर जी महाराज की कथा श्रवण करा रहे हैं भक्तों को मैं थाने से हमराहियों के साथ बाल विकास के दर्शन करने पहुंचे

सिकंदरा राजेन्द्रनगर में यहां पर लगातार नवदिवसीय माता रानी के जगराता व कथा करने पहुंचे थे बाल व्यास वहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि हमने स्वराज इंडिया अखबार के द्वारा महाराज जी का पता पाया था और जहां कथा हो रही थी वहां जाकर महाराज जी से आग्रह कर अपने सिकंदरा के राजेंद्र नगर में नवदुषीय माता रानी के जगराता पर बुलाया वह कथा के माध्यम से भक्ति में रसपान करने के लिए कहा जिस पर

बाल व्यास श्री रघुवर जी महाराज जी के द्वारा आकर हम लोगों को अपने भक्ति में श्रीमद् भागवत कथा सुना कर आनंद में कर दिया श्री रघुवर जी महाराज की जाने पर राजेंद्र नगर निवासी रोने लगे ,

उन्होंने कहा कि ऐसा हमें बाल व्यास कथा वाचक कभी नहीं मिला है। आप श्रीमद् भागवत कथा जिस तरह से व्याख्यान किया है वह हम कभी नहीं भूलेंगे ।

बाल व्यास श्री रघुवर जी महाराज जिनका शिक्षक संपूर्ण श्री धाम वृंदावन में श्री कुंज बिहारी के चरणों पर हुई है।

विदाई के दौरान राजेंद्र नगर निवासी रोने लगे और विदाई के समय मुख्य रूप से उपस्थित रहे सिकंदरा थाना प्रभारी महेश कुमार, मनु तिवारी, मामा ठाकुर, रामजी अवस्थी, आशीष मिश्रा, प्रियम यादव, आदि लोग उपस्थित रहे।

एसीपी के निर्देश पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज

» बीते एक अप्रैल को बदमाशों ने वीडियो मिक्सिंग लैब में चोरी की वारदात को दिया था अंजाम

» कोतवाली पुलिस नहीं दर्ज कर रही थी एफआईआर

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कस्बे में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाएं पुलिस के लिए चुनौती बन चुकी है। चोर आसानी से चोरी की वारदात को अंजाम देकर निकल जाते हैं। और पुलिस चोरों को पकड़ने का दावा करती रहती है। बीते एक अप्रैल को कस्बे में शारदा कटियार के वीडियो मिक्सिंग लैब में घुसकर बदमाशों ने लाखों रुपए का माल पार कर दिया था। इस पर कोतवाली पुलिस एफआईआर नहीं दर्ज कर रही थी। सोमवार को आक्रोशित कई फोटोग्राफरों ने एसीपी कार्यालय के बाहर नारेबाजी की। और एसीपी से वार्ता कर मामले से अवगत कराया। ट्रेनी आईपीएस एसीपी के निर्देश पर चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं पुलिस का कहना है कि पुलिस टीम बदमाशों का पता लगाने में जुटी है। जल्द ही बदमाश पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
● आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
● वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
● C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
● ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
● डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा
आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बीजी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.
डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

नीलामी में मछली पालन के लिए दिए गए तालाब में लहरा रहीं फसल

» कागजों में तालाब की भूमि मछली पालन के लिए पट्टा लेकिन मौके पर बोई जा रही फसल

» तहसील और ग्राम पंचायत के कर्मियों की मिलीभगत से चल रहा खेल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामसनेहीघाट(बाराबंकी)। तहसील क्षेत्र रामसनेहीघाट के सिल्हौर गांव में तालाब की गाटा संख्या 1320 लगभग 30 बीघा की भूमि का मछली पालन के लिये नीलामी के तहत तहसील में पट्टा की हुआ था।तालाब के पट्टे की भूमि पर पट्टेधारक द्वारा गेहूं,जौ, चना,मसूढ की फसल बुवाई कर धनार्जन किया जा रहा है।जिसको लेकर गांव के ही कई लोगों ने आलाधिकारियों को पत्र देकर से कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक सिल्हौर ग्राम सभा के भोला नाथ निवासी धारू पुरवा के परिवार को ही लगातार तालाब की भूमि पर मछली पालन के लिये नीलामी के तहत पट्टा की तहसील में किया गया था। भोला नाथ आदि द्वारा इस भूमि पर मछली पालन न करकर ट्रैक्टर द्वारा समतलीकरण करने के बाद गेहूं की फसल लगाकर धनार्जन किया जा रहा है।लोगो ने भेजे गए पत्र में कहा कि उक्त स्थान पर मछली पालन करना तो दूर तालाब ही नहीं हैं।इन लोगों ने मछली पालन के बजाय तालाब की भूमि के चारों ओर झटका मशीन लगाकर तालाब की भूमि पर खेती कर रहे है।

लोगो का आरोप है कि पट्टा धारकों द्वारा झटका मशीन लगाए जाने से कई जानवर भी अब तक घायल हो चुके है।गांव निवासी अशोक कुमार,शिवम,ओम प्रकाश आदि लोगो ने मुख्यमंत्री सहित अन्य आलाधिकारियों को पत्र भेजकर पट्टा निरस्त कर उक्त भूमि पर जनहित में तालाब बनवाया जाए।

वही ग्रामीणों ने स्थानीय तहसील प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि शिकायत पर टीम ने जांच की।जांच के दौरान टीम को फसल बोई व झटका मशीन लगी मिली।

तालाब में पानी मछली नहीं मिली।जिसके बाद से प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाया।वही मछली पालन विभाग के आलाधिकारियों का कहना है कि तालाब की जमीन को बराबर कराकर खेती नहीं की जा सकती।गांव में विभाग की टीम भेज कर जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम का बयान...

उपजिलाधिकारी रामसनेहीघाट अनुराग सिंह ने बताया कि जांच कराकर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति से नहीं करवाया जाना चाहिए स्कूलों का निरीक्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी विद्यालयों का निरीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि विद्यालय अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं या नहीं हालांकि विद्यालयों में गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति द्वारा निरीक्षण एक गंभीर समस्या है। ऐसे निरीक्षण शिक्षाशास्त्रीय दृष्टिकोण से कई तरह से बाधा बनते हैं। गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति द्वारा निरीक्षण का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वे शिक्षण प्रक्रिया का गलत मूल्यांकन कर सकते हैं।

इन निरीक्षकों के पास शिक्षण के बारे में पर्याप्त ज्ञान नहीं होता है इसलिए वे शिक्षण के वास्तविक गुणवत्ता का आकलन नहीं कर सकते हैं। वे केवल बच्चों से कुछ सवाल पूछकर या कक्षा में कुछ गतिविधियों को देखकर शिक्षण की गुणवत्ता का अनुमान लगाने की कोशिश करते हैं। यह एक बहुत ही अपूर्ण तरीका है और यह अक्सर गलत निष्कर्षों की ओर ले जाता है।

गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति द्वारा निरीक्षण शिक्षकों पर दबाव डाल सकता है। शिक्षकों को लगता है कि उन्हें अच्छा प्रदर्शन करना होगा ताकि निरीक्षक उन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। इससे वे अपनी शिक्षण शैली को बदल सकते हैं और उन गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे सकते हैं जो निरीक्षकों को प्रभावित कर सकती हैं। यह शिक्षकों की स्वायत्तता को कम करता है और उन्हें रचनात्मक रूप से शिक्षण करने से रोक सकता है।

शिक्षा के उद्देश्यों की अनदेखी

शिक्षण का उद्देश्य केवल बच्चों को ज्ञान प्रदान करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन्हें सोचने, सीखने और समस्या-समाधान करने के लिए भी तैयार करना है। गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति द्वारा निरीक्षण अक्सर शिक्षा के इन उद्देश्यों पर ध्यान नहीं देता है। वे केवल बच्चों की जानकारी की मात्रा या उनकी स्मरण शक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इससे शिक्षा के व्यापक उद्देश्यों की अनदेखी होती है। गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति द्वारा निरीक्षण शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकता है। शिक्षाशास्त्रीय दृष्टिकोण से विद्यालयों में गैर शैक्षिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति द्वारा निरीक्षण एक अस्वीकार्य प्रथा है। ऐसे निरीक्षण शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करते हैं, शिक्षकों पर दबाव डालते हैं, शिक्षा के उद्देश्यों की अनदेखी करते हैं और शिक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। निरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही होनी चाहिए। निरीक्षक को शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त ज्ञान और अनुभव होना चाहिए। निरीक्षण का उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया का गहन मूल्यांकन करना होना चाहिए। निरीक्षण में शिक्षकों की स्वायत्तता को संरक्षित किया जाना चाहिए। निरीक्षण में शिक्षा के व्यापक उद्देश्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

भाजपा विधायक पूनम सँखवार के गांव में ही दम तोड़ रहे वॉटर कूलर

» प्रधान-सचिव पर लापरवाही का आरोपी अफसर बने अनजान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद विकासखंड के गोपालपुर गांव में गर्मी से राहत के लिए क्षेत्र पंचायत निधि से लाखो करोड़ों रुपए के लगाए गए वाटर कूलर खराब पड़े हैं। यह गांव क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम सँखवार का है। ब्लॉक प्रमुख ने गांव में शुद्ध और ठंडा पानी पीने के उद्देश से गांव में वाटर कूलर लगवाए थे।इसे दुरुस्त कराने की किसी ने जहमत नहीं उठाई। शुद्ध पानी के लिए सभी को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। स्वराज इंडिया की टीम ने धरातल में उतरी ओर रियल्टी चेक किया।जिम्मेदारों की अनदेखी से इनका रख-रखाव नहीं हुआ है। लाखों रुपये की निधि से लगे यह कूलर मुंह चिढ़ा रहे हैं। वही गांव के ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि कागजों में तो वाटर कूलर चल रहे हैं, लेकिन हकीकत में इनकी मरम्मत नहीं की जा रही है। ग्राम प्रधान और सचिव की लापरवाही से यह स्थिति बनी है। ओर विकास कार्यों में लापरवाही को लेकर अगर उच्च अधिकारी समय-समय पर बैठाक और निरीक्षण करते रहे तो हो सकता है गांव में ये हाल न होते। लेकिन अफसर ब्लॉक मुख्यालय से ही सचिवों और प्रधानों को कड़े निर्देश देते रहते हैं। जमीनी स्तर पर कभी अफसर नहीं आते हैं। ये गांव वालो का कहना है।

क्या बोले खंड विकास अधिकारी....

खंड विकास अधिकारी धन प्राप्त यादव ने बताया है कि मामले कि जानकारी नहीं है। सचिव से रिर्पोट तलब की जायेगी और जल्द ही खराब पड़े वॉटर कूलर सही कराए जाएंगे।

अखिलेश यादव ने दैनिक जागरण के बहिष्कार का किया ऐलान, कई जगह फूंकी गई कॉपियां

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव के ऐलान के बाद उत्तर प्रदेश के तमाम शहरों से दैनिक जागरण अखबार के विरोध की तस्वीर सामने आ रही है. कई जिलों में दैनिक जागरण प्रतिज्ञा जिला जाने की तस्वीर सामने आई है। वही सोशल मीडिया में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा पुरजोर तरीके से जागरण अखबार का विरोध किया जा रहा है।इसको लेकर अखबार के मालिक से लेकर मैनेजमेंट तक का होश फाख्ता हो गए हैं। खबर है कि अखबार ने पुलिस सुरक्षा के लिए अपने पत्रकारों और कर्मचारियों को काम में लगा दिया है.

व्हाट्सएप का एक मैसेज भी देखिए जो जागरण के कर्मचारियों के बीच घूम रहा है।

सामूहिक बलात्कार के मामले में, 23 पर मुकदमा दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बनारस। उत्तर प्रदेश के बनारस में एक लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। और इस मामले में 23 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है और छह अभियुक्तों को हिरासत में भी लिया गया है।

ये भी बता दें कि एफ़आईआर के मुताबिक, लड़की के साथ 29 मार्च से 3 अप्रैल तक अलग-अलग जगहों पर रेप किया गया।

और इस मामले में लड़की की मां ने शिकायत भी दर्ज की है। और इतना ही नहीं एफ़आईआर में 12 अभियुक्तों के नाम हैं और 11 लोग अज्ञात हैं साथ ही इस मामले में डीसीपी वरुणा ज़ोन चंद्रकांत मीणा ने बताया कि यह घटनाक्रम 29 मार्च से 4 अप्रैल तक का है। और उन्होंने कहा,

फ़लड़की का कहना है कि 29 मार्च को वो अपनी मर्जी से दोस्त के पास गई थी।

और फिर 4 अप्रैल को लड़की के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी बेटी घर से चली गई है और इस संबंध में उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी।

मगर पुलिस ने उसी दिन लड़की को खोज लिया था,

उस दिन लड़की और उनके परिवार वालों ने सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज नहीं करवाई थी।

और उन्होंने 6 अप्रैल को जाकर सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई।

अयोध्या राम नगरी की रहस्यमयी रात

» पुलिस की 'आत्महत्या' की थ्योरी पर लगातार उठ रहे सवाल

» होमगार्ड की संदिग्ध मौत, पुलिस की थ्योरी, और परिवार की इंसाफ की जंग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या, जहां भगवान राम का जन्मस्थल है, वहां की शांत फिजा उस रात सिहर उठी जब राम जन्मभूमि थाना क्षेत्र की कटरा पुलिस चौकी में एक होमगार्ड की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। 31 मार्च की वह रात, जब खण्डासा निवासी होमगार्ड विन्ध्याचल मिश्रा की लाश चौकी के एक बंद कमरे में मेज पर पड़ी मिली, तब से लेकर आज तक यह मामला सुलझने के बजाय और उलझता चला गया है।पुलिस ने आनन-फानन में इसे आत्महत्या करार दिया और पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार भी करवा दिया। मगर पोस्टमार्टम करने वाले विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह तक पुलिस की थ्योरी पर ठोस भरोसा नहीं जता पाए। उनका कहना है कि गले की हड्डी या जबड़े में कोई फ्रैक्चर नहीं मिला, जिससे आत्महत्या की पुष्टि नहीं हो पाती।

एक अन्य विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर साफ कहा—बैठकर कोई फांसी नहीं लगा सकता। फांसी से मौत होने के लिए शरीर और रस्सी के बीच कम से कम तीन फीट की ऊंचाई जरूरी होती है, तभी गर्दन की हड्डी टूट सकती है।

सुनियोजित हत्या की आशंका

कमरे की खुली खिड़की, लाश की अवस्था और छटपटाने के कोई निशान न होना—ये सब इशारा करते हैं कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि तकिए से मुंह दबाकर सांस रोक कर हत्या करना संभव है और खिड़की से बाहर निकल कर आरोपी फरार भी हो सकते हैं।

पुलिस की नई कहानी–अवैध संबंध और 'आशा' की तलाश

जब पुलिस की आत्महत्या की कहानी सवालों के घेरे में आई, तब सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने एक नया मोड़ ला दिया।

उन्होंने दावा किया कि होमगार्ड के एक महिला 'आशा' से अवैध संबंध थे और दोनों के बीच देर रात तक बातचीत होती थी। वह प्रयागराज तक उसके साथ गई थी। मगर आश्चर्य की बात यह है कि इस कहानी की मुख्य किरदार 'आशा' अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। न तो मोबाइल कॉल डिटेल्स खंगाली गई हैं और न ही उस महिला को तलाशने की गंभीर कोशिशें हुई हैं।

परिवार की पुकार–सीबीआई जांच की मांग

विन्ध्याचल मिश्रा के पिता और परिवारजन इस मौत को हत्या करार दे रहे हैं और मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस सच्चाई पर पर्दा डाल रही है और न्याय को भटकाने की कोशिश की जा रही है। वे इसे मानवाधिकार आयोग तक ले जाने का मन बना चुके हैं।

क्या पुलिस अपने दावों में कामयाब होगी?

राम नगरी की इस रहस्यमयी मौत पर पर्दा डालने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन सवाल यह है—क्या पुलिस अपने बनाए कथा-चक्र में सफलता पा लेगी या फिर सच सामने आकर मृतक परिवार को न्याय दिलाएगा?

लाखों की चोरी से दहला विधायक का गांव

चोरों ने परिवार को बंद कर उड़ाए नगदी व आभूषण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।बीकापुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अमित सिंह चौहान के गांव में बीती रात बड़ी चोरी की घटना ने सनसनी फैला दी। अज्ञात चोरों ने महोली गांव स्थित अश्वनी दुबे के घर को निशाना बनाते हुए लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने ना केवल नकदी और जेवरात की चोरी की, बल्कि घरवालों को भी एक कमरे में बंद कर दिया ताकि वे किसी प्रकार की मदद न मांग सकें।

जानकारी के अनुसार, यह वारदात विधायक के पेट्रोल पंप के ठीक सामने स्थित अश्वनी दुबे के मकान में हुई। चोर छत के रास्ते घर में घुसे और जीने के दरवाजे को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। जिस कमरे में परिवार के सदस्य सो रहे थे, उसे बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया गया। इसके बाद चोरों ने अन्य कमरों की तलाशी लेते हुए लगभग 25 हजार रुपये नकद और लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।घटना की जानकारी मिलते ही रौनाही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है और जल्द ही चोरों को पकड़ने के लिए विशेष टीम गठित की जा रही है।स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है, क्योंकि यह वारदात एक जनप्रतिनिधि के गांव में हुई है, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं,

विधायक अमित सिंह चौहान ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस अधिकारियों से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और गांव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सांसद के बयान पर क्षत्रिय संगठनों के निशाने पर अखिलेश

राणा सांगा के अपमान पर लखनऊ में हंगामा काट दिया

एक घंटे चला ड्रामा: विवादित बयान से राजपूत समाज में नाराजगी, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व रामजीलाल सुमन के खिलाफ किया प्रदर्शन, आपत्तिजनक नारेबाजी

बहस के दौरान शुरू हुआ, जब रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा के बारे में विवादित बयान

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राजपूत समाज ने मंगलवार को एक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिसमें अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के साथ अन्य राजपूत संगठन भी शामिल हुए। यह प्रदर्शन समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ था, क्योंकि राणा सांगा पर की गई विवादित टिप्पणी ने राजपूत समाज में गहरी नाराजगी उत्पन्न की है। विरोध करने वालों में महिलाएं भी शामिल थीं, जो लखनऊ के 1090 चौराहे पर भारी संख्या में इकट्ठा हुईं।

प्रदर्शनकारियों ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करना शुरू किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक सुमन माफी नहीं मांगते, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी बात जोर-शोर से रखी और अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें ईको गार्डन भेज दिया।

करणी सेना ने सांसद के आवास पर की थी तोड़फोड़

बीते 21 मार्च को राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर दिया। इसके बाद करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने आगरा स्थित सांसद सुमन के आवास पर तोड़फोड़ की। इस हमले की कड़ी निंदा सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने की थी, और उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठाए थे। वहीं सोमवार प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सपा के किसी सांसद के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो मुख्यमंत्री को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

मेवाड़ के शासक थे राणा

महाराणा संग्राम सिंह 1508 से 1528 तक मेवाड़ के शासक रहे थे। उनका इतिहास बहादुरी और वीरता से भरा हुआ है, और उन्हें 80 घावों के बावजूद युद्ध से पीछे न हटने के लिए सम्मानित किया जाता है। 1527 में भरतपुर के रूपवास तहसील के खानवा में बाबर और राणा सांगा के बीच हुए प्रसिद्ध युद्ध में राणा सांगा ने अपनी वीरता का अद्भुत उदाहरण पेश किया। युद्ध में उन्हें 80 घाव लगे थे, लेकिन उन्होंने युद्ध को बीच में नहीं छोड़ा और अंत तक संघर्ष करते रहे। राणा सांगा का नाम सुनते ही दुश्मन डर से कांपने लगते थे, और उनका साहस भारतीय इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा।

शिवसेना विधायक और मुंबई पुलिस को हाई कोर्ट का नोटिस

16 को कामरा की याचिका पर होगी सुनवाई

» मुंबई, एजेंसी।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉमेडियन कुणाल कामरा की याचिका पर मुंबई पुलिस और शिवसेना विधायक मुरजी पटेल को नोटिस जारी किया। याचिका में कामरा ने महराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के खिलाफ की गई अपनी अपमानजनक टिप्पणी के मामले में दर्ज एफआईआर को चुनौती दी है। जस्टिस सरंग कोटवाल और एसएम मोडक की एक डिवीजन बेंच ने कहा कि वह 16 अप्रैल को कामरा की याचिका सुनेंगे। हालांकि तीन समन के बावजूद कुणाल कामरा अभी तक पुलिस के सामने पेश नहीं हुए हैं।

शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत के बाद खार पुलिस ने कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हाई कोर्ट ने कहा कि उत्तरदाताओं (पुलिस और पटेल) को नोटिस जारी करें। वे निर्देश लेंगे और याचिका का जवाब देंगे। इसके अलावा नासिक ग्रामीण, जलगांव और नासिक में कॉमेडियन के खिलाफ दर्ज 3 एफआईआर को भी खार पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है।

कामरा के वकील नवरोज सेरवई ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि सोमवार को मद्रास उच्च न्यायालय ने कामरा को मिली अंतरिम ट्रांजिट अग्रिम जमानत को 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। कोर्ट को यह भी बताया गया कि सुरक्षा कारणों से पुलिस को तीन बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने के बारे में लिखा जा चुका है। मगर अनुमति नहीं मिली। वकील ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुलिस अधिकारी बयान को रिकॉर्ड करने को उत्सुक नहीं हैं। उनका जोर शारीरिक रूप से यहां लाने पर है।

कुणाल कामरा मौजूदा समय में तमिलनाडु में हैं। उनके वकील ने कहा कि यह हत्या का मामला नहीं है। कामरा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच में सहयोग करने को तैयार हैं।

जयपुर बम ब्लास्ट में 17 साल बाद इंसाफ, चार को आजीवन कारावास

71 लोगों की गई थी जान

» जयपुर, एजेंसी।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट मामले में चार आतंकियों को कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा मिली है। 13 मई 2008 को जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की घटना हुई थी। इस दिन 8 बम ब्लास्ट हुए थे। वहीं एक बम जिंदा मिला था, जिसे बाद में डिफ्यूज किया गया था। अब इस मामले में जयपुर की विशेष अदालत ने सजा का ऐलान किया है। जयपुर की स्पेशल कोर्ट ने सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद को इस मामले का दोषी पाया है और आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने 600 पेज में अपना फैसला दिया। इस बम ब्लास्ट में 71 लोगों की जान गई थी। पुलिस ने इस मामले में 112 गवाहों के बयान दर्ज किए और 1200 डॉक्यूमेंट पेश किए। जिनको आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, इन्हीं आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। बाद में राजस्थान हाई कोर्ट में मार्च 2023 में सभी को बरी कर दिया था। इसके बाद जांच हुई और अब फिर से

आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

बता दें कि 13 मई 2008 की शाम को जयपुर में शाम करीब 7:30 बजे भीड़भाड़ वाले इलाकों में आठ बम ब्लास्ट हुए थे। इस धमाके में 71 लोगों की मौत के अलावा 185 से अधिक लोग घायल भी हुए थे। यह धमाके जोहरी बाजार, सांगानेरी गेट, चांदपोल बाजार और त्रिपोलिया बाजार जैसे इलाकों में हुए थे।

पुलिस ने इस मामले में कुल 13 लोगों को आरोपी बनाया था। तीन आरोपी अभी इस मामले में फरार हैं। वहीं दो आरोपी दिल्ली और हैदराबाद की जेल में बंद हैं। जबकि दो आरोपी दिल्ली के बटला हाउस एनकाउंटर में मारे गए थे। जयपुर बम ब्लास्ट मामलों की विशेष अदालत ने पहले 29 मार्च को फैसले का दिन तय किया था, जिसके बाद फैसले के लिए 4 अप्रैल की तारीख चुनी गई। 4 अप्रैल को सभी आरोपियों को दोषी ठहराया जा चुका था, आज यानी मंगलवार को दोषियों को सजा सुनाई गई। कोर्ट ने चारों आतंकियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी,121ए, 124-ए, 153-ए, 307, अनलॉफुल एक्टिविटी (प्रिवेंशन) एक्ट-1967 की धारा 18 ,विस्फोटक अधिनियम 1908 की धारा 4 और 5 सहित 6 धाराओं में दोषी ठहराया था। जज रमेश कुमार जोशी की कोर्ट ने फैसले के दौरान कहा कि सबसे बड़ा न्यायालय, हमारा मन होता है। क्या गलत है, क्या सही, यह हमारा मन जानता हैज्सजा हुई है, मतलब गुनाह भी हुआ है।